अभ्यास पत्रक

पाठ: 10 - मीरा के पद

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) दूसरे पद में किस महीने की बदरिया (बादल) बरसने की बात कही गई है?

(क) चैत्र की (ख) आषाढ़ की (ग) सावन की (घ) भादों की

(ii) सावन में मीरा का मन क्यों उमंग से भर गया है?

(क) वर्षा होने के कारण (ख) ठंडी हवा चलने के कारण

(ग) श्रीकृष्ण (हरि) के आने की भनक सुनकर (घ) नाचने-गाने का मन होने के कारण

(iii) चारों दिशाओं (चहुँ दिश) से बादल कैसे आए हैं?

(क) धीरे-धीरे (ख) शोर करते हुए (ग) उमड़-घुमड़ कर (घ) चुपचाप

(iv) बादलों के बीच क्या चमक रही है?

(क) सूरज (ख) चाँद (ग) बिजली (दामिन) (घ) तारे

(v) मीरा के प्रभु गिरधरनागर के आने पर वे क्या करना चाहती हैं?

(क) नृत्य करना (ख) चुप रहना

(ग) आनंद और मंगल के गीत गाना (घ) सो जाना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) सावन की बदरिया मन को कैसी लगती है?

उत्तर- .....

(ii) मीरा को किसके आने की भनक (उड़ती खबर) मिली है?

उत्तर- .....

(iii) आकाश में बादल किस प्रकार की वर्षा कर रहे हैं?

उत्तर- .....

(iv) सावन में पवन कैसी चल रही है?

egyanarchive

उत्तर- .....

(v) दूसरे पद में मीरा ने अपने प्रभु को क्या कहकर संबोधित किया है?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) "उमड़ घुमड़ चहुँ दिश से आया, दामिन दम कै झर लावन की।" - इन पंक्तियों में चित्रित दृश्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) सावन के महीने ने मीरा के मन पर क्या प्रभाव डाला है?

उत्तर- .....

.....

(iii) मीरा के लिए सावन का महीना 'मन भावन' क्यों है?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) दूसरे पद में मीरा ने सावन के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन किस प्रकार किया है? उन्होंने इस सौंदर्य को अपने मन की खुशी से कैसे जोड़ा है? विस्तार से लिखिए।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ग) सावन की

(ii) (ग) श्रीकृष्ण (हरि) के आने की भनक सुनकर

(iii) (ग) उमड़-घुमड़ कर

(iv) (ग) बिजली (दामिन)

(v) (ग) आनंद और मंगल के गीत गाना

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) सावन की बदरिया मन को भाने वाली (मन भावन) लगती है।

(ii) मीरा को अपने प्रभु हरि (श्रीकृष्ण) के आने की भनक मिली है।

(iii) आकाश में बादल नन्हीं-नन्हीं बूँदों के रूप में वर्षा (मेहा) कर रहे हैं।

(iv) सावन में शीतल और सुहावनी पवन चल रही है।

(v) दूसरे पद में मीरा ने अपने प्रभु को 'गिरधरनागर' कहकर संबोधित किया है।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) इन पंक्तियों में वर्षा का दृश्य चित्रित है, जहाँ चारों दिशाओं से बादल उमड़-घुमड़ कर आकाश में छा गए हैं। उनके बीच बिजली चमक रही है और वर्षा की झड़ी लग गई है।

(ii) सावन के महीने ने मीरा के मन को उमंग और उल्लास से भर दिया है। श्रीकृष्ण के आने की खबर ने उनकी खुशी को और भी बढ़ा दिया है, जिससे उनका मन आनंदित हो उठा है।

(iii) मीरा के लिए सावन का महीना 'मन भावन' (मन को अच्छा लगने वाला) इसलिए है क्योंकि एक तो इस महीने का प्राकृतिक सौंदर्य मनमोहक होता है और दूसरा, इसी मनभावन मौसम में उन्हें अपने प्रिय श्रीकृष्ण के आने का समाचार मिला है, जिससे उनकी प्रसन्नता दोगुनी हो गई है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर:

(i) दूसरे पद में मीरा ने सावन के प्राकृतिक सौंदर्य का जीवंत वर्णन किया है। वे कहती हैं कि मन को भाने वाले सावन के बादल बरस रहे हैं। चारों दिशाओं से बादल उमड़-घुमड़ कर आकाश में छा गए हैं। बादलों के बीच बिजली चमक रही है और बारिश की झड़ी लग गई है। नन्हीं-नन्हीं बूँदों के रूप में वर्षा हो रही है और ठंडी, सुहावनी हवा चल रही है। मीरा ने इस प्राकृतिक सौंदर्य को अपने मन की खुशी से सीधे तौर पर जोड़ा है। उनके लिए सावन का यह उल्लास भरा मौसम इसलिए और भी आनंददायक हो गया है क्योंकि उन्हें अपने प्रभु श्रीकृष्ण के आने की सूचना मिली है ("भनक सुनी हरि आवन की")। जिस प्रकार वर्षा के आगमन से प्रकृति में उमंग छा जाती है, उसी प्रकार श्रीकृष्ण के आगमन की खबर से मीरा का हृदय भी उमंग और उल्लास से भर गया है। इसलिए वह इस अवसर पर आनंद और मंगल के गीत गाना चाहती हैं।